नवविचार

Marlboro Hindi School Newsletter

होली महोत्सव में हिंदी गीत की धुन पर नृत्य प्रस्तुत करती मार्लबोरो हिंदी स्कूल की छात्रायें

होली आयी रे ।

मार्लबोरो हिंदी स्कूल में प्रति वर्ष होली का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया जाता है। इस वर्ष यह २२ अप्रैल को मनाया गया। MHS की बढ़ती हुई लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए इस बार होली महोत्सव मार्लबोरो मेमोरीयल मिडल स्कूल में बड़े पैमाने पर मनाया गया। इस महोत्सव में ना केवल मार्लबोरो बल्कि ओल्डब्रिज, होमडेल, मनालपन, मातावान और इंग्लिश टाउन के हिंदी भाषी लोगों ने भी भाग लिया। हिंदी स्कूल के छात्रों, TA's ,अध्यापकों और अभिभावकों ने इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़ चढ़ के भाग लिया।

छात्रों ने जहाँ विभिन्न प्रकार के नृत्य ,नाटकों और गीतों से सबका मन मोहा वहीं अध्यापिकाओं द्वारा प्रस्तुत किया गया गिद्दा सबके सिर चढ़ कर बोला । सबसे प्रशंसनीय अभिभावकों द्वारा किया गया नृत्य रहा। अध्यापिकाओं,छात्रों और उनकी माताओं का जोश देखते ही बनता था।इस कार्यक्रम की सफलता श्रेय उन स्वयंसेवियों को भी जाता है जिन्होंने अपनी-अपनी क्षमताओं के अनुसार इस नेक काज में योगदान दिया।

PTO ने कार्यक्रम को व्यवस्थित रखा और किसी को किसी प्रकार की असुविधा ना इसका पूरा ध्यान रखा।कार्यक्रम की समाप्ति के बाद सभी ने स्कूल के प्रांगण में होली खेली। उड़ते हुए गुलाल और विभिन्न रंगों से सजे चेहरों की छँटा निराली थी। बालकों के चेहरे ख़ुशी से खिले हुए थे जैसे वो मानो हर दिन ऐसे ही रंगों से खेलना चाहते हों।

आपसी प्रेम एवं सौहार्द को बढ़ाने का होली पर्व का संदेश इस महोत्सव ने बख़ूबी निभाया।।

होली पर्व

रूठे को मनाने का पर्व
प्यार से मनुहार कर
गले लग जाने का पर्व
लाल-गुलाबी नीले-पीले
रंगों में रंग जाने का पर्व
कैसी पावन होली की ये बेला है
सबपे मौज मस्ती है छाई
आओ तुम्हें भी रंग दे रंग में
क्यूँ हो कोरे कोरे भाई
रंगों से डर के क्यूँ
छिपते-डरते घूमते हो
अपनो से दूर रह क्यूँ
किवाड़ मन के भेड़ते हो

फीकी फीकी बदरंग ज़िंदगी
का ना है कोई मोल
हँसती खेलती रंग रंगीली
ज़िंदगी ही है अनमोल
तो चलो मै भी गुलाबी
गुलाल उड़ा दूँ
टेसु के फूलों की ख़ुशबू
से अपना आँगन महका लूँ।।

- वंदना शर्मा

आपका पन्ना

लालची राजकुमारी

एक बहुत दयालु राजा था । उसकी एक ज़िद्दी राजकुमारी बेटी थी। उसे कहानियाँ सुनना बहुत पसंद था, बिना कहानी सुने वो रात को कभी नहीं सोती थी।

एक दिन वह अपने पिताजी से माँग की कि तुझे कभी ना ख़त्म होने वाली कहानी सुननी है। राजा ने प्रजा में घोषणा की जो कोई ऐसी कहानी सुनाएगा उसे बड़ा इनाम मिलेगा। यह सुनकर चतुर मोहन कहानी सुनाने ज़िद्दी राजकुमारी के पास पहुँच गया।

कहानी एक चिड़िया की थी। चिड़िया रोज़ एक हरे हरे खेत में सिर्फ़ एक दाना चुग कर उड़ जाती थी।मोहन बार -बार यही दोहराता रहा, 'चिड़िया आई दाना चुग कर चली गई ', अब यह सुनकर राजकुमारी बहुत ऊब गई और मोहन को रुक जाने को बोली। वह पिताजी को बोली की मै कभी लालच नहीं करूँगी । राजकुमारी को समझ आ गई और मोहन भी ख़ुश हो गया अपने पुरस्कार से ।

सीख़ : इंसान को ज़्यादा लालची नहीं होना चाहिए !

- रीनी बंसोद

हिंदी हमारी मात्रभाषा

एक डोर में हमें बाँधती है हिंदी।
हर भाषा की सगी बहन है हिंदी।
सभी बोलियों से भरी हो,
यही कामना है हिंदी।
गहरी हो पहचान हमारी,
यही साधना है हिंदी।
बैर इसकी ना हो किसी से
यही भावना है हिंदी।

- सुयश गोस्वामी

जन्मदिन का उपहार

ये बात तीन साल पहले मेरे जन्मदिन की है। तब मेरा सातवाँ जन्मदिन था। मै बहुत ख़ुश थी की मै केक काटूँगीं मुझे बहुत सारे खिलौने मिलेंगें । हर बार माँ और पापा मुझे बहुत से खिलौने और कपड़े देते थे। मै एक महीने से अपने जन्मदिन के दिन गिन रही थी और बहुत ख़ुश थी। जन्मदिन की सुबह माँ और पापा ने मुझे जन्मदिन विश किया और एक फ़्रॉक और एक पौधा दिया।

फ़्रॉक देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा मगर मुझे पौधा ज़्यादा अच्छा नहीं लगा। मैंने माँ -पापा को कहा की पौधा लौटा कर खिलौना ला दो। माँ पापा ने बड़े प्यार से मुझे समझाया कि ये सिर्फ़ एक पौधा ही नहीं है मेरा दोस्त है और मुझे इसका ध्यान रखना है।ये पौधा हमारे पर्यावरण को भी बचाएगा। मै नहीं समझी और पौधे का ध्यान नहीं रखा ।

माँ पापा उसका ध्यान रखते थे। उस पर सुंदर फूल आते तो मै ख़ुश होती थी।एक दिन स्कूल में हमारी टीचर ने पौधों की importance के बारे में बताया किस तरह पेड़ पौधे हमारे लिए ज़रूरी हैं अगर वो नहीं होंगे तो हम भी नहीं।मैंने घर आकर माँ से आकर कहा की आज से मै अपने दोस्त पौधे का ध्यान रखूँगी ।

तब से लेकर आज तक मै अपने दोस्त पौधे का ध्यान रखती हूँ। अब मेरा पौधा ३ साल का हो गया है और मै इसके साथ बहुत ख़ुश हूँ।।

- अनुषा शर्मा

गुरु गोविंद दोनों खड़े, काके लागूं पाँय ।
बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो मिलाय ॥

शुभकामनाएँ

MHS के कुछ TA इस वर्ष हाई स्कूल से सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होकर उच्च शिक्षा के लिए महाविद्यालय जा रहे हैं। इस पृष्ठ में वो MHS के प्रति अपना आभार प्रकट कर रहे हैं।

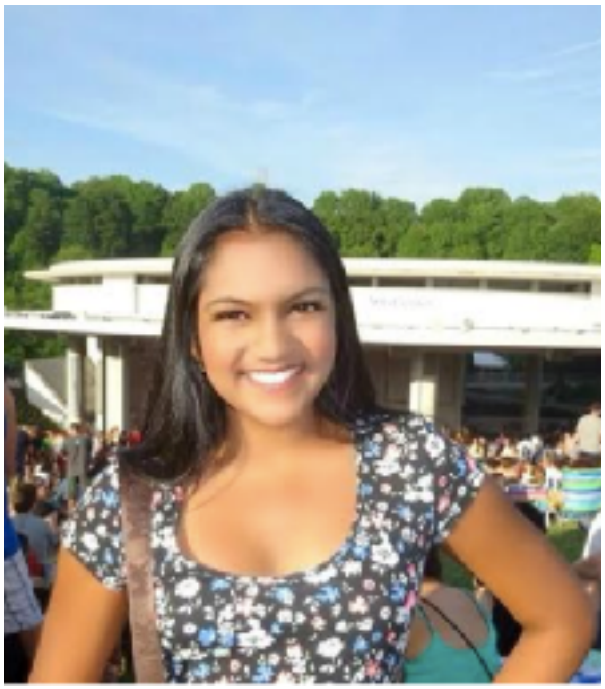

प्रिया अग्रवाल

मै लगभा १० वर्षों से MHS की सदस्य रही हूँ जिसमें ५ वर्ष मैंने TA के रूप में कार्य किया है। मार्लबोरो हाई स्कूल के Bussiness Learning Center से उत्तीर्ण होने के बाद मै CMU में Law क्षेत्र में Ethics, History and Public Policy की पढ़ाई करूँगी।

मै MHS की बहुत आभा री हूँ, यहाँ मुझे मेरे सामाजिक विकास के लिए अत्यधिक सकारात्मक वातावरण मिला , जो मित्र और मार्गदर्शक मुझे यहाँ मिले वो जीवन भर मेरे मन में रहेंगें। TA के रूप में कार्य करते हुए मैंने परस्पर एक -दूसरे के साथ सहयोग कर काम करना सीखा और यहीं से ही मुझे जन कल्याण के क्षेत्र में शिक्षा प्राप्त करने की प्रेरणा मिली। MHS के लिए अपना आभार शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकती और स्वयं को हमेशा MHS परिवार का सदस्य मानती रहूँगी, क्यूँकि मुझे यहाँ तक लाने में हिंदी स्कूल का बहुत बड़ा योगदान है ।

अशिमा तिवारी

मै जब केवल ५ वर्ष की थी तब से MHS आ रही हूँ। लगभग १३ साल से मै हूँ, ९ वर्ष छात्र के रूप में और ४ वर्ष TA का कार्य किया है। MHS परिवार सदस्य होना अपने आप में बहुत हाई महत्वपूर्ण एवं संतोषप्रद अनुभव रहा। अपनी संस्कृति से प्रेम और समाज के प्रति सेवा भाव मैंने हिंदी स्कूल के पोषक वातावरण की वजह से ही सीखा और TA के रूप में मैंने अपने कर्तव्यों को निभाया।

Biotechnology High School में जहाँ मैंने विज्ञान को अपनी पढ़ाई का क्षेत्र बनाया वंही हिंदी स्कूल ने मुझे मेरी संस्कृति से जोड़े रखा है। मै इस वर्ष Rutgers University में Honors कोर्स की पढ़ाई के लिए जा रही हूँ। मै चिकित्सा (medicine) के क्षेत्र में पढ़ाई करते हुए Bio में मेजर और Pre-med की पढ़ाई करूँगीं

शुभकामनाएँ

सानिया शेख़

मै हिंदी स्कूल पिछले सात सालों से आ रही हूँ । इन सात सालों में मैंने यहाँ बहुत कुछ सीखा है एक छात्र के रूप में और एक TA के रूप में भी। मेरे अध्यापकों ने अच्छे शिक्षण के साथ साथ अपने मुझे हमारे समाज और संस्कृति से प्रेम केरना सिखाया और मुझे हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मार्लबोरो हिंदी स्कूल का वातावरण छात्रों के विकास के लिए बहुत ही सहज है जिसमें छात्र पढ़ाई के अतिरिक्त अपनी संस्कृति और सभ्यता का भी अध्ययन करते हैं।

मैं हिंदी स्कूल के सभी अध्यापको का धन्यवाद करना चाहूँगी जिन्होंने यहाँ मेरे अनुभवों को यादगार बनाया।मै अगले साल Drexel universuty से STEM में मेजर करूँगी और हिंदी स्कूल की यादें अपने दिल में संजों के ले जाऊँगी।

सुखमन अरोड़ा

मार्लबोरो हिंदी स्कूल का बहुत बहुत आभार ! मै इस वर्ष Purdue University से एरोस्पेस engeeniring के क्षेत्र में शिक्षा ग्रहण करूँगा। मै कई सालों से हिंदी स्कूल से जुडा हुआ हूँ और यहाँ मैंने अपने व्यक्तित्व में प्रतिदिन विकास का अनुभव किया है। मुझे यहाँ आना बहुत पसंद है, और मुझे सबसे अच्छा यह लगता हैं कैसे आपसी सहयोग और सहायता से यह स्कूल कार्य कर रहा है। शिक्षक, TA's , PTA और सभी छात्र हर शनिवार को स्कूल में एकत्र हो भारतीय संस्कृति को विदेश में जीवित रखे हुए हैं। मैं इस स्कूल और इसके हर सदस्य को बहुत याद करूँगा।

पहेलियाँ

काली हूँ पर कोयल नहीं
लम्बी हूँ पर लाठी नहीं
डोर नहीं पर बांधी जाती

महेश के पिता के पाँच लड़के थे। उनके नाम थे :
गणेश , सुरेश, अल्पेश , रमेश

गोल है पर गेंद नहीं
पूँछ है पर पशु नहीं
बच्चे पूँछ पकड़ कर खेलते
फिर भी उसके आँसू नहीं निकलते।

मध्य काटे तो बनता कम
अंत काटे तो कल
लिखने में मैं काम आती
बताओ मेरा नाम ?

इन पहेलियों के उत्तर इस Newsletter में ही कहीं छिपे हैं

समाचार

Marlboro Day Parade

२० मई को मार्लबोरो दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया जिसमें भारतीय समुदाय के परिवारों ने बढ़ चढ़ के भाग लिया। मार्लबोरो हिंदी स्कूल के बहुत से सदस्य वहाँ परेड में हिस्सा लेने पहुँचे। MHS के प्रमुख निदेशक श्री बिशन अग्रवाल जी ने स्वयं तिरंगा हाथ में लिए समुदाय का प्रतिनिधित्व किया। सामाजिक तौर पर एक दूसरे जुड़ने और विभिन्न समुदायों के साथ भारतीय समुदाय के सहयोग और साझेदारी का ये प्रशंसनीय प्रयास था।

Eye Screening Camp

१० मार्च को मार्लबोरो हिंदी स्कूल में Lions Club के सहयोग से स्कूल के छात्रों के लिए एक Eye Test Camp लगाया गया। इस Camp के माध्यम से मार्लबो रो हिंदी स्कूल के बच्चों को अपनी आँखों की जाँच करवाने का अवसर मिला। लगभग सभी कक्षाओं के बच्चों ने इस Camp में भाग लिया और इस नि:शुल्क सुविधा का लाभ उठाया।

Mother's Day Plant Sale

MHSPTO ने १२ मई को मार्लबोरो हिंदी स्कूल में प्लांट सेल का आयोजन किया। इसमें अनेक तरह के पौधे और फूल बिक्री के लिए रखे गए। मार्लबोरो हिंदी स्कूल के छात्रों एवं उनके माता पिता ने कई तरह के पौधे ख़रीदे। इस सेल के माध्यम से MHSPTO ने हिंदी स्कूल के बच्चों के लिए Fund Raising की।

Ladies Social 2018

इस वर्ष पहली बार मार्लबोरो हिंदी स्कूल में १० फ़रवरी को लेडीज़ सोशल कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मार्लबोरो और आसपास के शहरों के भारतीय समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया । मार्लबोरो हिंदी स्कूल सिर्फ़ एक स्कूल ही नहीं, यह भारतीय संस्कृति का एक प्रमुख स्थान भी है।

Teacher of The Year - 2017 - Maya Gupta

Q: क्रपया अपने बारे में कुछ बतायें ?

मेरा नाम माया गुप्ता है ।मै एक ब्यूटिशन हूँ और ओशन टाउन्शिप में रहती हूँ . मै मार्लबोरो हिंदी स्कूल में लगभग 6 साल से पढ़ा रही हूँ और मार्लबोरो स्कूल के साथ काफी साल से जुड़ी हुई हूँ।

Q: क्या आपको लगता है की हिंदी ज़ीखना बच्चों के लिए लाभकारी है ?

A: बिलकुल, हिंदी ज़ीखने के बहुत फायदे हैं। हम उन्हें अपनी भाषा से जोडकर रखते हैं और अपनी सभ्यता और संस्कृति के साथ भी जिससे वो अपने घर के बुज़ुर्गों के साथ भी जुडे रहते हैं। MHS हिंदी भाषा और भारतीय संस्कृति सीखने के लिए एक उत्तम मंच है। मै इसका सीधा सम्बन्ध अपनी बिटिया के सामाजिक विकास में देखती हूँ जो John Hopkins University में पढ़ रही है।वह स्टूडेंट हिंदू काउन्सिल की सक्रिय सदस्य है। जब मै उसे धार्मिक सभाओं और कार्यक्रमों में भाग लेते देखती तो बहुत गर्व का अनुभव करती हूँ।

Q: आपको हिंदी स्कूल में एक अध्यापिका का कार्य कैसा लगता है ?

मुझे हिंदी स्कूल में अपनी सेवाएँ प्रदान करना और अपने समुदाय के लिए काम करना बहुत ही अच्छा लगता है । यह एक मानसिक रूप से संतोषजनक काम है जिसमें आप लोगों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ते हैं । हिंदी पढ़ाने का अनुभव बहुत अलग है।

पहेलीयों के उत्तर :

चोटी, महेश, गुब्बारा, क़लम

Q: आप अपनी कक्षा में छात्रों की हिंदी में रुचि कैसे बनाए रखती हैं ?

मै बच्चों को बहुत ही सरल और रोमांचक तरीक़े से पढाती हूँ जिससे छात्र पूर्ण रूप से व्यस्त रहते हैं । मै स्वयं तीन प्यारे बच्चों की माता हूँ और उनके लालन पालन ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। मैंने स्टार टॉक की कुछ प्रशिक्षण वर्क्शाप में भाग लिया है जिससे मुझे अपने शिक्षण को नयी दिशा देने में बहुत सहायता मिली है। छात्रों को एक विदेशी भाषा बहुत ही असरदार तरीक़े से पढ़ना एक चुनौतिपूर्ण काम है।बच्चे क्लास में एक साथ काम करते हैं तो सब एक दूसरे से बहुत कुछ ज़ीख जाते हैं। हम अकसर कक्षा में प्रतियोगिता वाले खेल और Quizzes खेलकर विषय समीक्षा करते हैं। बच्चों को कहानी सुनना भी बहुत पसंद आता है जिसमें मैं हिंदी में पढ़ाती हूँ और वो उसका अर्थ बताते हैं।

मार्लबोरो हिंदी स्कूल के Newsletter के द्वारा स्कूल के विद्यार्थी और उनके माता पिता आपस में और अध्यापकों से आसानी से विचार विमर्श कर सकते हैं। यह इसके लिए एक अच्छा साधन है। आशा है कि सब लोग इसका पूरा उपयोग करेंगे और यह सूक्ष्म-पत्रिका सबके लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

विद्यार्थी छोटी छोटी कविता और कहानियों के माध्यम से अपनी हिंदी भाषा और भारतीय सभ्यता का ज्ञान बढ़ा सकते हैं। हम सब मिलकर इस पत्रिका के कार्य कर्ताओं के प्रति अपना आभार प्रगट करते हैं और आशा करते हैं कि उनका यह प्रयास हम सबके लिए लाभकारी रहेगा।

- डा. बिशन अग्रवाल

Marlboro Hindi School Important Dates 2018-19

Online Registrations Start	: 1st July
School Start	: 8th September
Diwali Function	: 17th November
Thanksgiving Recess	: 24th November
Holiday Party	: 22nd December
Winter Holiday	: 29th December
Holi Function	: 13th April

(Note : Pls. Check Calendar on MHS Website for any updates.)

Newsletter Editors: Vandana Sharma & Rakesh Chandwani